अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह

अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह बंगाल की खाड़ी में स्थित भारत का संघ शासित प्रदेश है तथा यह लगभग 600 द्वीपों का एक विशाल द्वीपसमूह है। द्वीपसमूह की तटीय रेखा का फैलाव लगभग 100 किलोमीटर है। यह द्वीपसमूह चारों ओर से घने जंगलों से ढका हुआ है। इसके कुल भू क्षेत्र में से 92% क्षेत्र वर्षा वनों से आच्छादित हैं।

इसके लगभग 600 द्वीपों में से केवल 9 द्वीपों में विदेशी पर्यटक आ सकते हैं। अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह इंडोनेशिया में सुमात्रा की ओर बिछी बर्मा की अरकानमायो पर्वत श्रृंखला के निकट स्थित है।

अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह को न केवल इसके प्राकृतिक सौंदर्य और इसके मोहक आकर्षण ने अपितु यहां के शांति प्रिय निवासियों ने भी इसे विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बनाया है। यहां ऊंची पर्वत श्रृंखला, हरे भरे वनों की प्रचुरता, चौड़े रास्तों, नए भवनों तथा काफी लम्बी तटीय रेखा ने भी इसे आकर्षण प्रदान किया है।

विदेशियों को इस द्वीपसमूह में आने के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट प्राप्त करना होता है, परन्तु अब यह पोर्टब्लेयर हवाईअड्डे पर आगमन के समय दिया जाता है। भारतीय नागरिकों को अंडमान भ्रमण के लिए परमिट की आवश्यकता नहीं है। तथापि, उन्हें निकोबार द्वीपसमूह एवं अन्य जनजातीय क्षेत्रों में जाने के लिए परमिट लेना होता है।

फिलहाल अंडमान तक जाने के लिए भारतीय मुख्य क्षेत्र से केवल पोर्टब्लेयर तक वायु मार्ग से जाया जा सकता है। व्यस्ततम काल के दौरान विमान में जगह नहीं मिल पाती है तथा आप्रवास कार्यालय भी ऐसे लोगों की अधिक सहायता नहीं कर पाता है जिनके पास वापसी की टिकट पुष्टिकृत नहीं होती है। अत: जब कभी भी वहां जाएं तो वापसी की टिकट बुक करवाकर जाएं । यदि आप इसमें वहां और रूकने के लिए अपनी वापसी यात्रा में बदलाव करना चाहते हैं तो बाद में भी कर सकते हैं।

पवन हंस सेवाएं

पवन हंस द्वारा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में द्वीपसमूहों के बीच तथा अगम्य क्षेत्रों तक

जाने के लिए यातायात सेवाएं प्रदान की जाती हैं। द्वीपसमूह में सेवा के लिए कम्पनी द्वारा चार डॉफिन एन हैलीकॉप्टर प्रयोग में लाए जा रहे हैं ।